Quarterly Progress Report
July to Sep. 2008
District Seoni MP

Integrated Nutrition and Health Project [INHP] – III

In Collaboration with CARE India, Madhya Pradesh

Community Development Centre
Bhatera Chouky, Balaghat
481001 MP
Phone : 07632 248585
Email : cdcbgt@gmail.com
Website : www.cdcmp.org

विषय का कम

- दस्वावेजों की स्थिति
- विभागीय बैठकें
    - विकासखंड स्तरीय बैठकें
    - सेक्टर बैठकें
    - महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभागके साथ समन्वय के बिन्दु
- जिला स्तरीय बैठकें
    - समापन बैठक
- समुदाय एवं पंचायत के साथ जुड़ाव
    - ग्रामसभा
    - पंचायत बैठक
    - वार्डसभा
    - प्रभाव
- एडवोकेसी कॉडीनेटर
    - सेक्टर बैठक
    - विकासखंड स्तर बैठक
    - महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभागके साथ समन्वय के बिन्दु
    - वार्डसभा
- मॉडल सेक्टर गोरखपुर
    - दस्तावेजों की स्थिति
    - सेक्टर का पोषण स्तर
    - आहार प्रदर्शन के प्रभाव
    - वार्डसभा
    - बालमेला
    - स्वास्थ्य संवाद रथ यात्रा
    - स्तनपान
    - टीकाकरण की स्थिति
    - सामुदायिक सशक्तिकरण
- एन.एच.डी ऑब्जरवेशन
- व्यवहारों के बिन्दु
- विकासखंड छपारा में ग्रेडिग के आधार पर सामान्य ग्रेड की स्थिति
- विकासखंड लखनादौन में आहार प्रदर्शन के प्रभाव
- विकासखंड छपारा में आहार प्रदर्शन के प्रभाव
- विकासखंड की मजबूती और कमियॉ
- सफल कहानी

संलग्न किये गये प्रपत्रों की सूची

- एस.ओ.डब्ल्यू
- न्यूज कटिंग
- पोस्टकार्ड
- बालमेला के आयोजन हेतु भेजे गये पत्र
- स्तनपान के आयोजन हेतु भेजे गये पत्र
- स्वास्थ्य संवाद रथ यात्रा के आयोजन हेतु भेजे गये पत्र
- जिलास्तरीय बैठक कार्यवाही विवरण
- आई.एन.एच.पी समापन बैठक के आयोजन हेतु पत्र
- पोशण आहार सप्ताह विशयक पत्र
- लीडरशिप कार्यशाला में भाग लेने हेतु पत्र
- विकासखंड स्तरीय समापन बैठक प्रतिवेदन
- सेक्टर स्तरीय बैठक प्रतिवेदन
- समन्वयकों के द्वारा भेजे गये अनुभवों की सूची
- ऑगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के अनुभव

☒☒☒☒☒

दस्तावेजों की स्थिति

आंगनवाड़ी केन्द्र भ्रमण के दौरान 96 केन्द्रों का भ्रमण किया गया जिसमें मुख्य दस्तावेजों के संधारण की स्थिति देखी गई जिसमें निम्नानुसार स्थिति पाई गई।

क्र.	वि.खंड	पंजी का नाम	पूर्ण	अपूर्ण
1.	छपारा	टीकाकरण पंजी	17	11
	लखनादौन		53	15
योग			**70**	**26**
2.	छपारा	गृहभेंट पंजी	20	08
	लखनादौन		41	27
योग			**61**	**35**
3	छपारा	उपस्थिति पंजी	22	06
	लखनादौन		64	04
योग			**86**	**10**
4.	छपारा	वृध्दि चार्ट	17	11
	लखनादौन		48	20
योग			**65**	**31**
5.	छपारा	आई.ई.सी. मटेरियल की उपलब्धता व प्रदर्शन	20	08
	लखनादौन		52	16
योग			**72**	**24**

क्रमांक	पंजी का नाम	पूर्ण	अपूर्ण
1.	टीकाकरण पंजी	73 प्रतिशत	28 प्रतिशत
2.	गृहभेंट पंजी	64 प्रतिशत	36 प्रतिशत
3.	उपस्थिती पंजी	90 प्रतिशत	10 प्रतिशत
4.	वृध्दि चार्ट पंजी	68 प्रतिशत	32 प्रतिशत
5.	आई.ई.सी मटेरियल	75 प्रतिशत	25 प्रतिशत

भ्रमण के दौरान ऐसे केन्द्र भी रहे जहॉ दस्तावेजों की स्थिति अच्छी नहीं है। वे केन्द्र जहॉ पर दस्तावेज अपूर्ण पाये गये उन्हें संस्था कार्यकर्ता के द्वारा सुधरवाया गया। इसके साथ ही वे केन्द्र जिन्हें पूर्ण दर्शाया गया है वहॉ दस्तावेजों की स्थिति अच्छी रही। दस्तावेजों की स्थिति में यदि गत् त्रैमासिक की तुलना की जाये तो स्थिति में सुधार आया है, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा पंजियों का नियमित अधतन किया जा रहा है। मुख्यतः गृहभेंट पंजी गुणवत्तापूर्ण व नियमित भरी जा रही है। अन्य पंजियों के उपयोग पर चर्चा की गई और पूर्तियॉ करने हेतु कहा गया

विभागीय बैठकें

सेक्टर स्तर और विकासखंड स्तर पर दोनों विभागों की उपस्थिति ये बैठकें सम्पन्न की गई। तीन माह के दौरान 30 सेक्टर बैठकों और 06 विकासखंड स्तरीय बैठक में संस्था कार्यकर्ताओं ने उपस्थिति दी।

विकासखंड स्तरीय बैठक	सेक्टर बैठक	जिला स्तरीय बैठक
लखनादौन छपारा 05	लखनादौन छपारा 30	सिवनी 03

विकासखंड स्तरीय बैठकें

विगत् तीन माह में छपारा और लखनादौन विकासखंड में की गई चर्चाएँ एवं निर्णय

चर्चा के बिन्दु	लिये गये निर्णय
• दस्तावेजों की स्थिति अच्छी पाई जाना धोरिया मढ़ी कोडरा सिहोरा पाठादेवरी पथरिया रहली धूमा5 सरसडोल नजरगढ सहजपुरी । • आईईसी का उपयोग अच्छा होना। घोरिया मढी सिकारा सारसडोल धूमा सहजपुरी चौकी • पंचायत की भागीदारी पाई जाना निधानी शिकारा करकवाडा पलटवाडा सिहोरा मढी। • टी.टी पर चर्चा। • निम्न केन्द्रों पर एएनसी न होना खखरिया बिजोरी पिपरिया घाघरा मडवा छाता गोटीटोला सुहागपुर डाला सिहोरारैयत भरदा कोडरा ज्वार पिडरई पिपरिया बोरिया सागर। • निश्चित दिन पर एनएचडी न होना। सुकवाह खुर्सीपार सारसडोल उकारपार खडसी बोरियाकला घाघरा अटारी पिपरिया पिंडरई। • एमपीडब्ल्यु और एएनएम का एनएचडी के दिन समय निर्धारण करना। • नवाचारों योजनानुसार न होना। • आईईसी का उपयोग पर चर्चा। • कमजोर केन्द्रों पर सुपरवाईजर का भ्रमण सुनिश्चित करना। • सेक्टर बैठक में आशा कार्यकर्ता की भागीदारी पर चर्चा। • एएनएम मालती दीक्षित द्वारा विगत छ माह से टीकाकरण न करना। उकारपार खडसी घनककड़ी • जोगीगुफा,भैसनवाही,वान्द्रा,बरेला सेमरताल, सहजपुरी के केन्द्र बन्द मिलना। • नियत दिन में करकवाडा और जामुनपानी में टीकाकरण न होना। • सेमरताल पर एएनएम द्वारा पेट जांच वीपी जॉच न करना। • पहाडी डुगारिया घनककडी बच्चों की उपस्थिती कम तथा रिकार्ड अर्पू मिलना। • आईईसी का उपयोग न होना। • गृहभेंट पर चर्चा • ढुढई एवं मुर्गीटोला में पेट की जाच और बीपी जांच न होना • सुपर आईसीडीएस का भ्रमण मुर्गीटोला एवं ढुटई में न होना। • डीएलएसी के बिन्दुओं पर चर्चा। • परियोजना की समाप्ति पर किये गये कार्यों के तरीकों पर चर्चा। • परियोजना के द्वारा समापन बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बात की गई कि विकासखंड स्तरीय समन्वय बैठक समीक्षात्मक हो। जिससे कमजोरियों को पहचान कर सुधार किया जा सके। • परियोजना के अंतर्गत उपयोग में आने वाले सभी प्रपत्रों को विस्तार से समझाया गया जैसे सेक्टर बैठक टूल, आंगनवाडी प्रपत्र, एनएचडी प्रपत्र, ग्रेडिग प्रपत्र • आंगनवाडी स्तर पर होने वाले मंगलदिवसों को गुणवत्ता पूर्ण करने हेतु कहा गया। • टीकाकरण की बात करते हुये कहा गया की रोस्टर के अनुसार हो एक दिन में केवल एक ही जगह में समय दिया जाये। • स्वास्थ्य शिक्षा पर निरंतरता लाई जाये।	▪ टीटी की स्थिति सुधारने के लिये एएनएम स्वयं खरीदकर लगाये। ▪ निश्चित दिन पर टीकाकरण व तय समय न देने पर कार्यवाही करने पर निर्णय दिया गया। ▪ नवाचारों का योजनानुसार मनाने का निर्णय एपीओ के द्वारा लिया गया और सुपरवाईजर को निर्देशित किया गया कि वे निरीक्षण करें। ▪ सभी सुपरवाईजर को निर्देशित किया गया कि वे निरीक्षण के दौरान कमजोर केन्द्रों के रिकार्ड पूर्ण करायें व सुधार लाने का प्रयास करें। ▪ एएनएम सभी उपकरण लेकर एनएचडी के दिन केन्द्र जावें। ▪ आईईसी को लेकर एपीऔ द्वारा सुपरवाईजर को निर्देशित किया गया। • निर्धारित दिन पर टीकाकरण न करने पर स्पष्टीकरण मांगने का निर्णय बीईई के द्वारा • बंद मिले केन्द्रों पर कार्यवाही करने का निर्णय • रिकार्ड संधारण सभी केन्द्रों में होने का निर्णय • प्रत्येक एएनएम एमपीडब्ल्यू टूरप्लान के आधार पर भ्रमण करेंगे। • सेक्टर बैठक बीएलएसी एनएचडी निरंतर होगी। • सी.डी.पी.ओ और बी.एम.ओ के द्वारा उक्त चर्चाओं के उपरांत प्रपत्रों के उपयोग, निरंतर अवलोकन, निरंतर भ्रमण की बात की गई। मंगलदिवसों में भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित करने हेतु कहा गया।

सेक्टर बैठक

क्र.	सेक्टर	बैठक के दौरान की गई चर्चाएँ	लिये गये निर्णय
1.	भीमगढ़ वि.–छपारा	➢ कोड़ियामाल में कार्यकर्ता और सहायिका का अनुपस्थित मिलना। ➢ पंचायत द्वारा गंगईरैयत में पुताई एवं पेंटिग पर लगभग 4000 रूपये खर्च किये। ➢ चलो घर चले अभियान की समीक्षा की गई। ➢ टी.टी. की उपलब्धता पर चर्चा। ➢ महत्वपूर्ण गृहभेंट व गृहभेंट पंजी का नियमित संधारण। ➢ वजन एक से सात तारीख तक नियमित लेना। ➢ सिमरिया व गुधना में बच्चों की उपस्थिति कम पाया जाना। ➢ भीमगढ मे 3 गर्भवती का पंजीयन न होना ➢ कार्यकर्ता द्वारा ग्रहभेट पंजी का भरना ➢ अंजनिया में नियमित ग्रहभेट होना । ➢ नियमित ग्रहभेट करना । ➢ अगस्त माह मे 5 शिशु मृत्यु होना।	❖ केन्द्र के सामने अपनी ग्रेडिग स्तर को लिखना। ❖ सभी सब सेंटरों पर महिला स्वास्थ्य संघ की बैठक तृतीय गुरूवार को होना। ❖ किचिन गार्डन बनाने पर निर्णय लिया गया। ❖ प्रत्येक कार्यकर्ता नियमित एंव महत्वपूर्ण ग्रहभेट करेगी । ❖ शिशु मृत्यु हेतु आगामी ग्रामसभा मे मृत्यु के कारणो को रखेगी । ❖ सभी रिकार्ड लेकर आयेगी ।
2.	छपारा अ वि.–छपारा	➢ सरंडिया में बच्चों की उपस्थिति 80 प्रतिशत से अधिक होना। ➢ गोरखपुर केन्द्र में कार्यकर्ता का केन्द्र में न मिलना व बच्चों की उपस्थिति कम होना। ➢ नियमित गृहभेंट एवं गृहभेंट पंजी का अपडेशन। ➢ स्तनपान सप्ताह केन्द्रवार मनाने पर चर्चा। ➢ ग्रेडिग के आधार पर कार्य करना। ➢ नियमित टीकाकरण। ➢ 4 केन्द्रों में एनएचडी न होना। ➢ छपारा में सामान्य ग्रेड में 1 प्रतिशत की कमी आना। ➢ मंगलदिवस नियमित न होना। ➢ मानूटोला में नियमित गृहभेंट न होना।	❖ नये केन्द्रों का मंगलदिवस गुणवत्तापूर्ण मनाना। ❖ लकवाह में सयुक्त भ्रमण। ❖ प्रत्येक कार्यकर्ता नियमित गृहभेंट करेगी। ❖ एएनएम निरीक्षण के दौरान निरीक्षण पंजी लिखेगी।
3.	बाबली वि.– लखनादौन	➢ जामुनपानी केन्द्र पर कार्यकर्ता का उपस्थित न होना। ➢ माडोपानी मे गंगोत्री की टीटी व जांच न होना। ➢ रिकार्ड अपूर्ण लालपुर जामुनपानी। ➢ प्रत्येक सोमवार को एलटीटी केम्प आयोजित होगा। ➢ एएनएम व आंग.कार्य. की सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा। ➢ केन्द्र बंद मिलना रहलोन, बैगापिपरिया ➢ उपस्थिती बढाने पर चर्चा। ➢ उपरी आहार पर चर्चा ➢ आईईसी के उपयोग पर चर्चा	❖ एलएचव्ही के द्वारा एएनएम का समय निर्धारित कर उसका पालन करने का निर्णय लिया। ❖ मांगपत्र प्रत्येक माह लेने व सम्पूर्ण टीकाकरण करने का निर्णय महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निर्णय लिया गया। ❖ पंचायत की भागीदारी पर चर्चा।

4.	बीबी वि.–लखनादौन	➢ नियमित टीकाकरण न होना। ➢ एनएचडी पर एएनसी न होना। ➢ प्रसव योजना सभी केन्द्रों में बनना। ➢ नवलगांव रहली और देवरी कार्यकर्ता के द्वारा सुधार होना। ➢ आई ,ई,सी, सामग्री के उपयोग हेतु चर्चा। ➢ मंगल दिवस पर विधी प्रदर्शन पर चर्चा । ➢ गृहभेंट नियमित करना। ➢ आशा कार्य0 की उपस्थिति कम होना। ➢ अनाज किट सभी कार्य0 द्वारा केंद्र में लगाने हेतु चर्चा।	❖ टीकाकरण न होने वाले केन्द्रों की सूचना एएनएम को देकर टीकाकरण कराने का निर्णय। ❖ नवलगांव व देवरी का प्रत्येक माह रिकार्ड दिखाने का निर्णय व केन्द्र भ्रमण करने का निर्णय ❖ हेल्थ द्वारा सक्टर बैठक मे आशा की उपस्थिति का नियर्ण लिया । ❖ सभी कार्य0 द्वारा अनाज कीट लगाने का नियर्ण लिया
5.	धूमा और बंजारी वि.–लखनादौन	➢ केन्द्र मडदेवरी हटुआ खामा बंद मिले और खामा पर नियमित पोशण आहार न बनना। ➢ एएनएम एमपीडब्ल्यु का पर्याप्त समय केन्द्र पर न देना। ➢ धूमा 5 पर आंग.कार्य. द्वारा गृहभेंट न करना। ➢ सेक्टर बैठक में रिकार्ड लाना और एएनएम से मिलान करना। ➢ मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाना। ➢ छोटी आयरन का उपयोग व केन्द्रों में आईईसी का उपयोग नियमित करना। ➢ टीकाकरण पर एएनएम का सही समय में न पहूँचना। ➢ ग्रेडिग की समीक्षा। ➢ रिकार्ड अपडेशन पर चर्चा ➢ प्रभावी गृहभेट पर चर्चा। ➢ उपस्थिति बढाने पर चर्चा।	❖ एलएचव्ही और महिला बाल विकास सुपरवाईजर द्वारा निर्णय लिया गया कि यदि कार्यकर्ता और सहायिका के काम में कमी पाये जाने पर मानदेय काटने का निर्णय लिखित में दिया गया। ❖ खामा केन्द्र नियमित संचालित न होने पर कार्यवाही करने का निर्णय सुपरवाईजर द्वारा दिया गया। ❖ मंगलदिवस गुणवत्तापूर्ण, छोटी आयरन का उपयोग और आईईसी के उपयोग करने का निर्णय लिया गया। ❖ ग्रेडिग की स्थिती सुधारने का निर्णय
6.	आदेगांव वि.–लखनादौन	➢ गर्भवतियों को टी.टी. न लगना। ➢ सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा ➢ मंगलदिवस गुणवत्तापूर्ण मनाने व पंचायत की भागीदारी पर चर्चा। ➢ ग्रेडिग पर चर्चा। ➢ सेक्टर बैठक मे आशा कार्यकर्ता की उपस्थिति न होना । ➢ आगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा रिकार्ड लेकर न आना । ➢ करछुआई ,अटारी मे एम पी डब्लू के न पहुचने से टीकाकरण न होना ➢ सभी केंद्रा मे अनाजकीट बना कर लगाने हेतु चर्चो	❖ टीटी आदेगाव स्वास्थ्य केन्द्र को उपलब्ध कराने की बात सुपरवाईजर द्वारा की गई। ❖ आशा की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की बात सुपरवाईजर द्वारा की गई। ❖ करछआई, अटारी मे टीकाकरण करने हेतु नियर्ण लिया ।
7.	लखनादौन वि.–लखनादौन	➢ आईईसी का उपयोग न होना सांगई मोहगांव ➢ योजनानुसार नवाचार का आयोजन न होना सांगई।	❖ सुपरवाईजर द्वारा नवाचार न मनाने के कारण सांगई कार्यकर्ता को स्पष्टीकरण पत्र दिया गया और सभी कार्यकर्ता को गुणवत्ता पूर्ण मनाने के निर्देश दिये गये।

		➢ टीटी की उपलब्धता पर चर्चा। ➢ मोहगांव, अंडिया रिकार्ड अपूर्ण मिलना। ➢ सांगई केन्द्र में रिकार्ड न मिलना। ➢ ग्रेडिग पर चर्चा।	❖ ग्रेडिग में सुधार करने का निर्णय लिया गया। ❖ 15 दिवस में रिकार्ड तैयार कर सेक्टर बैठक में लेकर आयें व एएनएम से मिलान करें।
8.	धनककड़ी वि.–लखनादौन	➢ पहाडी डोगरिया पर उपस्थिति कम होना। ➢ ग्रेडिग की समीक्षा। ➢ आईईसी का उपयोग पहाडी डोगरिया पर न होने पर चर्चा। ➢ केन्द्र पहाडी पर रिकार्ड न मिलना। ➢ सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा।	❖ पहाडी डोगरिया पर उपस्थिती बढ़ाने का निर्णय। ❖ ग्रेडिग के आधार पर कमजोर केन्द्रों में सुपरवाईजर द्वारा भ्रमण करने का निर्णयं
9.	मड़ई वि.– लखनादौन	➢ गंधीला पर टीकाकरण न होना। ➢ रिकार्ड संधारण मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाने पर चर्चा। ➢ पंचायत की भागीदारी पर चर्चा। ➢ मातृसहयोगिनी समिति के जुडाव की बात की गई। ➢ बैठक में रिकार्ड संधारण कर लाने पर चर्चा। ➢ केन्द्र में ए.बी.सी ग्रेड चिन्हित करने पर चर्चा। ➢ ग्रेडिग प्रपत्रानुसार स्वआंकलन कर ए ग्रेड में पहूॅचने पर चर्चा। ➢ आई.ई.सी के उपयोग पर चर्चा।	❖ बी और सी ग्रेड की कार्यकर्ताओं द्वारा सुधार करने का निर्णय। ❖ पंचायत को केन्द्र से जोडने का निर्णय लिया गया। ❖ एएनएम के द्वारा आशा की उपस्थिति बढ़ाने का निर्णय। ❖ संयुक्त गृहभेंट एनएचडी भ्रमण के दौरान एएनएम का निर्णय।
10	मढ़ी वि.–लखनादौन	➢ ग्रेडिग पर चर्चा। ➢ टीटी की अपूर्ति पर चर्चा। ➢ घाघरा मोचीपठार करनकोल के छूटे हुये रिकार्ड पर चर्चा। ➢ करनकोल में टीकाकरण न होने पर चर्चा । ➢ आठ केन्द्रों में एएनसी न होने पर चर्चा। ➢ आशा की उपस्थिति शत् पर चर्चा ➢ करनकोल कार्य0 द्वारा सेक्टर बैठक मे 3माह से उपस्थित न रहना ➢ करनकोल मे टीकाकरण न होने की चर्चा ➢ टीकाकरण के एक दिन पूर्व ग्रहभेट एंव टीकाकरण की जानकारी देवे ताकी हितग्राही कही न जाए	❖ आठ केन्द्रों में एएनसी न होने पर चलित वाहन के उपयोग का निर्णय। ❖ करनकोल में टीकाकरण करने का निर्णय। ❖ घाघरा मोचीपठार करनकोल के रिकार्ड पूर्ण करने का निर्णय। ❖ पर्यवेक्षक द्वारा स्पष्टीकरण देने का नियर्ण लिया । ❖ नियमित ग्रहभेट करने का नियर्ण लिया
11.	देवरीकला वि.–छपारा	➢ बरबसपुर में शिशु मृत्यु ➢ जोगीवाड़ा में रिकार्ड न मिलना। ➢ मंगलदिवस का आयोजन न होना। ➢ केकड़ा सेक्सन में एएनएम के पास एमसीएचसी नहीं है। ➢ देवरीकला में उपस्थिति बढी है।	❖ स्वास्थ्य कार्य. अग्रिम दौरा आधार पर भ्रमण करेंगे। ❖ केकड़ा सेक्शन में एएनएम द्वारा नये रोस्टर में जानकारी लिखना।

12.	छपारा ब वि.– छपारा	➢ शिक्षा सत्र स्तनपान का महत्व ➢ देवरीकला में रिकार्ड अपूर्ण मिलना व केन्द्र नियमित न लगना। ➢ हितग्राही के द्वारा घुट्टी जायफल देना। ➢ सादकसिवनी में गोदभराई न होना।	❖ देवरीकला केन्द्र मं सपुर का भ्रमण होगा। ❖ गोदभराई चौथे माह में व नियमित गृहभेंट।
13.	चमारी वि.–छपारा	➢ खमरिया में गृहभेंट पंजी नियमित भरा जाना। ➢ खमरिया में व्यवहारों में सुधार हुआ है। ➢ कमली में उपस्थिति कम मिलना। ➢ इमलियापार मे हितग्राहीयो को व्यवहारो की जानकारी अच्छी है। ➢ कार्यकर्ता द्वारा नियमित ग्रहभेट दी जा रही है। ➢ स्वास्थ्य एंव पोषण दिवस की समीक्षा	❖ सभी कार्यकर्ता गृहभेंट नियमित करेगी व पंजी भरेंगी। ❖ कमली में सुप. का भ्रमण होगा। ❖ पोषण स्तर पर ध्यान देने का नियर्ण लियाकिचिन गार्डन बनाना
14.	सनाईडोंगरी लखनादौन	➢ आशा कार्य. की उपस्थिति न होना। ➢ उकारपार में टीकाकरण न होना। ➢ सुंयक्त गृहभेंट न होना। ➢ विधि प्रदर्शन व आयरन पर चर्चा।	❖ आशा की उपस्थिति बढ़ाने का निर्णय। ❖ संयुक्त गृहभेंट एएनएम का निर्णय।
15.	नागनदेवरी लखनादौन	➢ मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाने पर चर्चा ➢ ग्रेडिग के सुधार पर चर्चा ➢ आईईसी के उपयोग पर चर्चा ➢ आयरन के उपयोग पर चर्चा ➢ सेक्टर बैठक में रिकार्ड लाना व मिलान करने पर चर्चा।	❖ टीकाकरण में सही समय में पहूँचने व हर माह टीकाकरण करने का निर्णय। ❖ मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाने का निर्णय ❖ पंचायत की भागीदारी बढ़ाने का निर्णय।
16.	सिरमंगनी लखनादौन	➢ गंगई मे वजन पंजी न होने की चर्चा ➢ पथरिया में आशा कार्य0 की उपस्थिति टीकाकरण में न होने पर । ➢ आई.ई.सी के उपयोग पर चर्चा। ➢ मंगल दिवस का आयोजन समारोह पूर्वक मनाने हेतु चर्चा	❖ ❖ आईईसी का उपयोग करने का निर्णय ❖ पर्यवेक्षक द्वारा सभी कार्य0 को रिकार्ड संधारण मे एक भी रिकार्ड अधूरा न रखे समय ,समय पर निरीक्षण की बात कही

महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय के बिन्दु

विगत् तीन माहों में छपारा एवं लखनादौन विकासखंड के दौरान की गई चर्चाओं के मुख्य बिन्दु

क.	स्वास्थ्य विभाग	क.	महिला बाल विकास
1	करेली में एएनएम के पास एमसीएच रजि. न मिलना।	1	बकोड़ा में रिकार्ड अपूर्ण मिलना। आई.ई.सी उपयोग न होना।
2	देवगांव में टीकाकरण नियमित होना एवं जोच होना।	2	गोरखपुर में 60 प्रतिशत की उपस्थिती से कम मिलना।
3	देवरीकला में मातृ शिशु रक्षा कार्ड न मिलना।	3	ग्रेडिग के आधार पर सी ग्रेड पर सुपरवाईजर भ्रमण सुनिश्चित कराना।
4	संयुक्त भ्रमण सुनिश्चित हों।	4.	देवरीकला में बाल संजीवनी अभियान के दौरान कार्यकर्ता का सभी बच्चों का वजन न लेना।
5	एटीपी के आधार पर एएनएम/एमपीडब्ल्यू का भ्रमण सुनिश्चित।	5.	नयेगांव मे प्रथम मंगलवार को गोदभराई न होना।
6	केन्द्रों पर एएनसी न होना खखरिया बिजोरी पिपरिया घाघरा मडवा छाता गोटीटोला सुहागपुर डाला सिहोरारैयत भरदा कोडरा ज्वार पिडरई पिपरिया बोरिया सागर।	6.	आईईसी का उपयोग अच्छा होना। घोरिया मढी सिकारा सारसडोल धूमा सहजपुरी चौकी
7	एएनएम द्वारा वेक्सीन न लेकर जाना।	7.	पंचायत की भागीदारी पाई जाना निधानी शिकारा करकवाडा पलटवाडा सिहोरा मढी।
8	एएनएम द्वारा गृहभेंट व स्वास्थ्य शिक्षा न देना।	8	मोहगांव, अंडिया रिकार्ड अपूर्ण मिलना। सांगई केन्द्र में रिकार्ड न मिलना।
9	एएनएम द्वारा बीपी जांच न करना।	9.	जामुनपानी केन्द्र पर कार्यकर्ता का उपस्थित न होना।
10	निश्चित दिन पर एनएचडी न होना। सुकवाह खुर्सीपार सारसडोल उकारपार खडसी बोरियाकला घाघरा अटारी पिपरिया पिंडरई।	10.	➢ केन्द्र मडदेवरी हटुआ खामा बंद मिले और खामा पर नियमित पोशण आहार न बनना।
11	भरगा में टीकाकरण का नियमित होना।	11	भरगा में कार्यकर्ता अनुपस्थित पाई गई।
12	अंजनिया में छोटी आयरन सभी हितग्रहियों को न मिलना।	12	अंजनिया में आंग.कार्य.एवं एएनएम की गृहभेंट नियमित होना।
13	खमरिया में टीकाकरण के दौरान एएनएम का न पहूॅचना।	13	कार्यकर्ता द्वारा खमरिया में नियमित गृहभेंट होना।
14	घोघरी नाकाटोला में हेपेटाईटिस बी का न लगना।	14	जूनापानी में बच्चों की उपस्थिति 60 प्रतिशत होना।
15	गोगीवाडा में टीकाकरण नियमित होना , छोटी बडी आयरन केन्द .में उपलब्ध है। बीसीजी के 4 बच्चो टीके से वंचित होना।	15	गोगीवाडा में आईईसी का उपयोग नहीं। जोगीवाड़ा में रिकार्ड न मिलना। नाकाटोला में सभी रिकार्ड पूर्ण पाये गये।
16	टीकाकरण नियमित होने पर चर्चा।	16	मंगल दिवस गुणवत्ता पूर्ण होने पर चर्चा
17	स्वास्थ्य शिक्षा पर चर्चा	17	दस्तावेजों के संधारण पर चर्चा
18	एएनएम के द्वारा पर्याप्त समय देने और पहुॅचने पर चर्चा	18	संयुक्त गृहभेंट पर चर्चा
19	टीकाकरण के दौरान पेट जांच और	19	उपस्थिति को लेकर बात की गई।

	बीपी जांच पर चर्चा		
20	बी.सी.जी पर चर्चा	20	गृहभेंट पंजी पर चर्चा।
21	पायली कला मे नियमित टीकाकरण होना	21	सिरकापार ,बर्रा मे कार्यकर्ता द्वारा नियमित ग्रहभेट करना
22	भीमगढ मे निशिचत दिन पर टीकाकरण न होना	22	भीमगढ मे 4 गर्भवती पंजीयन से छूटना
23	विलक्टा मे छोटी आयरन न होना	23	नियमित ग्रहभेट पर जोर देना
24	ए,एन,एम, की ग्रहभेट मे कमी	24	सुपरवाइजर द्वारा कमजोर केंद्रो का भ्रमण करना ।
25	संयुक्त ग्रहभेट की कार्ययोजना बनाना	25	विशेष कुपोषित 30 ग्रामो मे सुपरवाइजर का नियमित भ्रमण
26	सेक्टर बैठक में आशा की उपस्थिति पर चर्चा	26	मंगल दिवस गुणवत्ता पूर्ण होने पर चर्चा
27	स्वास्थ्य शिक्षा पर चर्चा	27	सेक्टर बैठक अधिकांश गुणवत्तापूर्ण होने पर चर्चा
28	एएनएम पेट की जांच और बी.पी जांच को लेकर चर्चा	28	संयुक्त गृहभेंट पर चर्चा
29	खसरा के टीके की कमी को लेकर चर्चा	29	मातृसंहोगिनी का सहयोग आंगनवाडी केन्द्र का मिल रहा है इस पर चर्चा।
30	बी.सी.जी पर चर्चा	30	गृहभेंट पंजी पर चर्चा।

जिला स्तर समीक्षा बैठक के अंतर्गत की गई चर्चाऍं

जुलाई	अगस्त	सितम्बर
○ बाल संजीवनी अभियान की समीक्षा ○ प्रोजक्ट शक्तिमान पर चर्चा। ○ प्रोजक्ट चिरंजीव पर चर्चा ○ गृहभेंट पर चर्चा ○ आंगनवाड़ी विजिट टूल्स पर चर्चा ○ स्वास्थ्य विभाग निरिक्षण ○ रजिस्टर के निर्माण पर चर्चा। ○ महिला जागृति शिविर पर चर्चा ○ पोषण पुर्नवास केन्द्र पर चर्चा ○ स्तनपान सप्ताह, पोषण स्वास्थ्य दिवस व व्यवहारों का प्रचार प्रसार । ○ समुदाय तक संदेशों की पहूँच ○ मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना पर चर्चा	○ एन.एस.व्ही. पर चर्चा ○ सुपरवाईजर सीडीपीओ विजिट प्लान पर चर्चा ○ प्रोजक्ट चिरंजीव पर चर्चा ○ गृहभेंट पर चर्चा ○ स्वास्थ्य विभाग निरिक्षण रजिस्टर के निर्माण पर चर्चा। ○ पोषण पुर्नवास केन्द्र पर चर्चा	जिला स्तरीय बैठक का आयोजन 06/09/2008 को किया गया जिसमें मुख्य रूप से परियोजना के समापन को लेकर बात की गई। इस दौरान निम्न विशयों को शामिल किया गया। ○ प्रत्येक स्तर में होने वाली बैठकों के प्रभाव ○ परियोजना के द्वारा प्राप्त उपलब्धियों ○ वे मुख्य बिन्दु जिनके द्वारा लक्ष्य को प्राप्त किया गया। बैठक के उपरांत जिलाधीश महोदय के द्वारा आश्वासन दिया गया कि प्रत्येक स्तर पर परियोजना के द्वारा किये गये प्रयासों में निरंतरता बनाये रखने का प्रयास किया जायेगा। प्रत्येक स्तर पर समीक्षाओं के आधार पर कार्यवाहियां की जायेगी।

जुलाई से सितम्बर 2008 के मध्य पोषण एवं स्वास्थ्य विषय पर जिलाधीश महोदय ने सभी मुख्य तथ्यों को शामिल किया। इसके साथ ही विभागीय समन्वय पर बल दिया। समन्वय स्थापित करने के निर्देश देते हुये कहा गया कि यदि हम परिवर्तन की बात करते हैं तो आवश्यकता है कि हम तीनों विभागों में समन्वय हो और तभी हम अपने उददेश्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

परियोजना समाप्ति पर तीनों विभागों की उपस्थिति में चर्चाओं के मुख्य अंश अग्रलिखित हैं।

समापन बैठक डी.एल.ए.सी. सिवनी म.प्र. **दिनांक 6.09.2008**

माननीय जिला कलेक्टर महोदय श्री पी.नरहरि की उपस्थिति मे समस्त ब्लाक मेडिकल अफिसर एन.आर.एच.एम., समस्त परियोजना अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, समस्त सी.ई.ओ., सी.डी.सी. टीम के साथ जिला कलेक्ट्रेट मे जिला स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

'बैठक का मुख्य उददेश्य था, केयर परियोजना द्वारा किये गये कार्य एवं परियोजना अवधि का पूर्ण होना।

सर्वप्रथम जिला कलेक्टर की अनुमति पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री मीनू भार्गव द्वारा परियेाजना द्वारा किये गये कार्यो की फिल्म दिखाई गई जिसमे '' जिला स्तर, ब्लाक स्तर, सेक्टर स्तर, ग्राम स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों के साथ अच्छाईयां एवं चुनौतियों को विस्तृत रूप से दिखाया गया तथा कलेक्टर श्री पी.नरहरि एवं विभागों द्वारा किये गये सराहनीय प्रयास, सहयोग एवं फीड बेक के प्रभाव, पंचायत का सहयोग, विभागीय समन्वय शामिल किये गये। तथा फिल्म मे छपारा ब्लाक के सेक्टर गोरखपुर मे किये गये अतिरिक्त प्रयास जैसे संकल्प दीप, बाल मेला, रात्रिकालीन सभा, बाल सभा स्वास्थ्य संवाद रथा यात्रा दिखाई गई'' फिल्म के पश्चात जिला केयर अधिकारी द्वारा जिला ब्लाक सेक्टर ग्राम स्तर की जाने वाली गतिविधि एवं चुनौती को रखा गया जिसमे बी.एल.ए.सी. की निरंतर तथा केवलारी, घंसौर, सिवनी, कुरई मे बी.एल.ए.सी. में निरंतरता एवं एजेंडाबेस की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

जिला कलेक्टर महोदय द्वारा फिल्म पर अपने विचार रखे गये जिसमें ''एक समन्वित प्रयास'' पर बनी फिल्म पर केयर एवं सी.डी.सी. के कार्यकत्ताओं को धन्यवाद दिया गया आपने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायत सभी मिलकर कार्य करें एंव पंचायत को खासकर ग्रामीणों को जानकारी देने की बात कही गई। कलेक्टर महोदय द्वारा तमिलनाडू का उदाहरण देते हुये कहा गया कि तमिलनाडू में जिस दिन टीकाकरण नही होता या कार्यकर्त्ता केन्द्र नही खोलती समुदाय के द्वारा बबाल मचाते है बच्चे ड्रेस में आते है, समुदाय का सहयोग अच्छा इसी तरह हमारे सिवनी जिला मे भी समुदाय की भागीदारी की आवश्यकता है।

जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री राकेश सिंह जी ने कलेक्टर महोदय की बातो का समर्थन करते हुए कहा कि पंचायत अपनी बैठकों मे आंगनवाडी कार्यकर्त्ता और ए.एन.एम. को शामिल करें तथा पंचायत सरपंच/सचिव आंगनवाडी एवं स्वास्थ्य की गतिविधियों में शामिल होवें।

क्योंकि पंचातय का एक महात्वपूर्ण कार्य स्वास्थ्य की है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपने कहा कि सी.ई.ओ. अपनी मासिक बैठक में बी.एम.ओ. और सी.डी.पी.ओ. को बुलाकर योजनाओं एवं मासिक प्रगति के बारे मे जानकारी देवे। ताकि कुपोषण एवं शिशु मृत्यु जैसे महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा हो सके।पुनः कलेक्टर महोदय द्वारा पंचायत को पोशण एवं स्वास्थ्य के मुददों को जोडने की बात कही गई, आपने नवाचार करने की बात कही कि नवीन प्रयोगो से हम लोगों को जागरूक कर सकते है। तृतीय एवं चतुर्थ ग्रेड के बच्चों पर ध्यान देवे की बात आपके द्वारा कही गई। आपने कहा कि रोजगार गारंटी में जिला मे 200 करोड का कार्य होना एवं राषि खातों में जमा है आज जब लोगों को काम नही मिलता एवं जाबकार्ड में फर्जी चढ़ा दिया जाता है तो यहां कार्ड लेकर शिकायत करते है, इसी तरह लोग पोशण एंव स्वास्थ्य पर की जागरूकता है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति प्रमिला खरे द्वारा कहा गया कि स्कूल मे बच्चे जाने से केन्द्र मे बच्चों मे कमी आई है जिसमें कलेक्टर महोदय द्वारा कहा गया कि नर्सरी की पढ़ाई अब 60 शहरी परियोजना के केन्द्रों मे होगी जिसके लिए आई.ई.सी. सामग्री एवं पाठन सामग्री हमारे पास उपलब्ध ताकि बच्चों की पढाई एंव अन्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जावे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वासथ्य अधिकारी श्री वर्मा जी द्वारा कहा गया कि हमने बालाघाट मे परिवर्तनकर्त्ता का गठन किये थे जिससे कि गांव कि जिम्मेदारी उनको दी गई उसी तरह हमारे जिले मे भी प्रयास करने की आवश्यकता है। श्री वर्मा जी द्वारा कहा गया कि हमने आई.सी.डी.एस. के साथ सेक्टर एकीकरण किया है ताकि दोनो विभाग सेक्टर एक से है। ब्लाक स्तरीय एंव सेक्टर स्तरीय बैठक नियमित होना आवश्यक है, एक मुख्य चुनौती श्री वर्मा जी द्वारा रखी गई कि ए.एन. एम. अभी भी सिर्फ टीकाकरण करके आ जाती है वहां माह मे सिर्फ एक दिन भ्रमण करती है और पोशण एंव स्वास्थ्य शिक्षा बिलकुल नही है, इसमे सुधार की आवश्यकता है।

अतः कलेक्टर महोदय श्री पी.नरहरि जी ने कहा कि केयर द्वारा की गई गतिविधियों को हम निरंतर करेगें। स्वयं सेवी संस्था के द्वारा दिये गये स्वतंत्र फीडबेंक को सराहा गया तथा एक सकारात्मक पहल की गई। केयर अधिकारी सुश्री मीनू भार्गव तथा सी.डी.सी. को पुनः बहुत बहुत धन्यवाद दिया गया एंव बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

समुदाय और पंचायत के साथ जुड़ाव

जुलाई 08 से सितंबर 08 के दौरान समुदाय तक स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास के द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी व आंगनवाड़ी केन्द्र के प्रति रूझान के लिये समुदाय और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ ग्रामसभा, पंचायत बैठक, वार्डसभा का आयोजन किया गया।

विकासखंड	ग्रमसभा	पंचायत बैठक	वार्डसभा
लखनादौन छपारा	**04**	**04**	**12**

ग्रामसभा

तिमाही के दौरान ग्रामसभा का आयोजन किया गया जिसमें वे मुख्य मुद्दे जिन पर चर्चाएं हुईं वे निम्नानुसार हैं :–

क.	पंचायत /वि.खंड	चर्चाएं	निर्णय
1.	सांगई लखनादौन	❖ नियमित केन्द्र न खुलने पर चर्चा। ❖ नवाचारों का योजनानुसार न मनाने पर चर्चा। ❖ जीवन की आशा के उपयोग पर चर्चा। ❖ व्यवहारों पर चर्चा। ❖ केन्द्र की नियमित निगरानी पर चर्चा। ❖ एनएचडी पर पंचायत की भागीदारी पर चर्चा। ❖ सम्पूर्ण स्तनपान पर चर्चा। ❖ कुपोषण पर चर्चा। ❖ कुपोषित बच्चों की निगरानी पर चर्चा। ❖ मात्राा गुणवत्ता बारम्बारता पर चर्चा। ❖ विधी प्रदर्शन।	➢ नियमित केन्द्र न खुलने पर लिखित में परियोजना अधिकारी को देने का निर्णय। ➢ सुमन बाई और शकुन बाई द्वारा केन्द्र की निगरानी व कमियां पाई जानेपर विभाग को सूचना देने का निर्णय। ➢ पंचायत की भागीदारी सुनिश्चित की और सरिता बाई द्वारा निगारानी करने का निर्णय।। ➢ कुपोषित बच्चों की देखभाल व निगरानी का निर्णय।
2.	नागदहार	• सही समय में केन्द्र न लगना। • बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा • उपरी आहार पर चर्चा • मंगलदिवस और टीकाकरण पर पंचायत की भागीदारी पर चर्चा • व्यवहारों के पालन पर चर्चा	• नियमित निगरानी का निर्णय • उपरी आहार देने का निर्णय • पंचायत की भागीदारी होने का निर्णय

3.		• बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा उपरी आहार पर चर्चा • मंगलदिवस और टीकाकरण पर पंचायत की भागीदारी पर चर्चा • व्यवहारों के पालन पर चर्चा • सुरक्षित प्रसव पर चर्चा	• संस्थागत प्रसव कराने का निर्णय • मंगलदिवस में पंचायत की उपस्थिति पर निर्णय • आदर्श व्यवहारों के पालन का निर्णय
4.	जूनापानी छपारा	• आयरन ओआरएस मेबेन्डाझोल कंडोम आशा के पास होना • वृध्दि चार्ट नियमित न भरना • प्रसव योजना न बनना • अन्नप्रासन न होना • खसरा समय पर न लगना।	• पंच एवं सरपंच के द्वारा निर्णय लिया गया कि केन्द्र की निगरानी की जावेगी। • सभी आशा और आंग.कार्य के पास रहेंगी • गोदभराई के दौरान प्रसव योजना तैयार की जावेगी • अन्नप्रासन समयानुसार कराया जावेगा।

पंचायत बैठक

कार्यक्षेत्र के अंतर्गत पंचायत बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें होने वाली मुख्य चर्चाएं निम्न हैं:–

क.	पंचायत /वि.खंड	चर्चा के मुख्य बिन्दु	निर्णय
1.	देवरीकला छपारा	❖ सामान्य ग्रेड 45 प्रतिशत होना। ❖ कार्यकर्ता द्वारा नियमित केन्द्र न खोलना। ❖ हितग्राहियों द्वारा जायफल घुट्टी देना। ❖ बच्चों का वजन नियमित न होना। ❖ मंगल दिवस गुणवत्ता पूर्ण व नियमित न होना।	➢ कार्ड सभी को बांटने का निर्णय ➢ सरंपच द्वारा निगरानी करने का निर्णय ➢ मंगलदिवस पर पंच व सरपंच की उपस्थिति।
2.	खुर्सीपार छपारा	❖ सामान्य ग्रेड का प्रतिशत 55 होना। ❖ बच्चों की उपस्थिति कम होना। ❖ मार्च 07 से अप्रैल 08 तक कुल 28 प्रसव हुये जिनमें से 27 प्रसव संस्थागत रहे। ❖ किचिन गार्डन की उपयोगिता।	➢ किचिन गार्डन बनाने का निर्णय ➢ पंचायत द्वारा निगरानी। ➢ सहायिका द्वारा बच्चों की उपस्थिति बढाने की निर्णय।
3.	सेमरताल लखनादौन	❖ ग्रामसभा में पोषण स्वास्थ्य मुद्दे को जोड़ना। ❖ केन्द्र सही समय पर न खुलना । ❖ बच्चों की उपस्थिती व निगरानी। ❖ संस्थागत प्रसव पर चर्चा। ❖ व्हवहारों के पालन पर चर्चा।। ❖ मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता पर चर्चा। ❖ पंचायत की भागीदारी।	➢ पोषण स्वास्थ्य के मुद्दे को जोडने का निर्णय। ➢ उपस्थिती देने का निर्णय। ➢ व्यवहारों के आधार पर समुदाय को जानकारी देने का निर्णय।
4.	दरबई छपारा	• सामानय ग्रेड का प्रतिशत 29 होना • बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा • हितग्राही द्वारा घुटी जायफल देना • शीघ्र पंजीयन न कराना • पोषण आहार सभी हितग्राहीयो द्वारा न ले जाना	• नयमित निगरानी का निर्णय • पोषण एंव स्वास्थ्य दिवस मे पंचायत ने सहयोग करने का नियर्ण लिया • व्यवहारो के पालन का नियर्ण लिया

वार्ड सभा

क्र.	ग्राम /वि.खंड	चर्चा के मुख्य बिन्दु	निर्णय
1.	नादिया रैयत छपारा	❖ शीघ पंजीयन न कराना। ❖ पोषण आहार सभी हितग्राहियों को न मिलना। ❖ घात्री माता द्वारा घुट्टी जायफल देना। ❖ गर्भावस्था से लेकर बच्चे के 2 वर्ष होने तक की जानकारी दी गई।	➢ पंच रामदास द्वारा प्रथम व द्वितीय ग्रेड के 11 बच्चों की निगरानी करने का निर्णय। ➢ एनएचडी व मंगल दिवस पर नियमित उपस्थिती व गुणवत्ता पूर्ण मंगलदिवस के लिये प्रयास करना। ➢ आदर्श व्यवहारों का पालन।
2.	भरदाटोला लखनादौन	❖ उपस्थिती कम होना। ❖ पंचायत की भागीदारी पर चर्चा। ❖ प्रतिमाह बच्चो के वजन पर चर्चा। ❖ आदर्श व्यवहारों पर ।जानकारी	➢ वार्ड पंच सालकराम द्वारा उपस्थिती को बढ़ाने के लिये प्रयास करने व पंचायत की उपस्थिति मंगलदिवस पर सुनिश्चित कर केन्द्र की निगरानी की बात की गई।
3.	डाला लखनादौन	❖ उपस्थिती पर कार्यकर्ता द्वारा ध्यान न देना। ❖ मातृ सहयोगिनी का सहयोग न होना। ❖ टीकाकरण दिवस में एमपीडब्ल्यू को सहयोग न करना। ❖ व्यवहारों का पालन। ❖ पोषण आहार और उपरी आहार पर चर्चा ❖ विधी प्रदर्शन कर कार्यकर्ता द्वारा समझाईश न देना।	➢ वार्ड पंच के माध्यम से अनियमितता मिलने पर शिकायत मिलने पर कार्यवाही करने की बात की गई। ➢ एमपीडब्ल्यू को कार्यकर्ता के द्वारा सहयोग का निर्णय ➢ गृहभेंट के दौरान विधीप्रदर्शन कर समझाईष देने की बात की गई। ➢ उपस्थिती बढ़ाने का निर्णय लिया गया।
4.	जामुनपानी लखनादौन	❖ वार्ड क्र.4 केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति कम होना। ❖ कार्यकर्ता द्वारा नियमित केन्द्र न लगाना। ❖ व्यवहारों के पालन पर चर्चा ❖ आईईसी के उपयोग पर चर्चा ❖ पंचायत की भागीदारी।	➢ पंच सुमरन द्वारा उपस्थिती पर ध्यान देने की बात की गई। ➢ मंगलदिवसों पर पंचायत प्रतिनिधि के उपस्थित रहने की बात की गई। ➢ बच्चों को मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता के आधार पर आहार देने की बात की गई।
5.	सारंगपुर लखनादौन	❖ सम्पूर्ण स्तनपान पर चर्चा। ❖ प्रसव योजना पर चर्चा। ❖ बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने पर चर्चा।	➢ वार्ड पंच कलीराम और जुगल द्वारा केन्द्र की निगरानी व गतिविधियों नियमित संचालित न होने पर कार्यवाही करने का निर्णय लिया। ➢ पंचायत की भागीदारी सुनिश्चित करने का

		❖ टीकाकरण में पंचायत की भागीदारी। ❖ बच्चों की उपस्थिती	निर्णय।
6.	नाकाटोला छपारा	• हेपेटाईटिस बी नहीं लगा • हितग्राहियों द्वारा घुटटी जायफल देना • कार्यकर्ता का नियमित गृहभेंट न करना • मंगल दिवस में वार्ड के हितग्राहियों को नियमित शामिल न करना एवं गुणवत्ता कार्यक्रम में न होना।	• ए.एन.एम और एम.पी.डब्ल्यू को वार्ड पंच द्वारा हेपेटाईटिस बी के बारे में कहना • कार्यकर्ता द्वारा नियमित गृहभेंट के बारे में कहा • मंगलदिवस गुणवत्तापूर्ण मनाने का निर्णय
6.	मिलमा लखनादौन	• केन्द्र पर बच्चों की उपस्थिती बढाने पर चर्चा • आदर्श व्यवहारों के पालन पर चर्चा • टीकाकरण और मंगलदिवस पर चर्चा • उपरी आहार पर चर्चा • केन्द्र की निगरानी रखने पर चर्चा।	• ग्राम पंच के द्वारा अपने वार्ड के सभी बच्चों को आंगनवाडी केन्द्र की सेवा दिलाने का निर्णय • बच्चों को उपरी आहार की शुरूआत कर मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता के आधार पर भोजन देने का निर्णय लिया।
7.	बैगापिपरिया लखनादौन	• आंग.कार्यकर्ता के द्वारा केन्द्र नियमित न लगाना। • पंचायत के द्वारा निगरानी पर चर्चा • प्रसव योजना पर चर्चा • व्यवहारों के पालन पर चर्चा • सम्पूर्ण स्तनपान पर चर्चा • विधि प्रदर्शन कर उपरी आहार पर चर्चा	• नियमित केन्द्र न खुलने पर पंच द्वारा आईसीडीएस की ओर पत्र प्रेशित करने का निर्णय • पंचायत की भागीदारी का निर्णय • उपरी आहार मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता के आधार पर देने का निर्णय
8.	जमुनिया छपारा	• वार्ड 4मे कुल 15बच्चे जिसमे 11बच्चे प्रथम एंव द्वितिय ग्रेड के 73% • 3बच्चे केन्द्र की सेवाओ से वंचित • श्रीमति मोहतिया बाई द्वारा वार्ड पंच द्वारा जिम्मेदारी ली गई। • पोषण आहार हितग्राहीयो नियमित नही ले रही थी	• ए.एन.एम और एम.पी.डब्ल्यू को वार्ड पंच द्वारा हेपेटाईटिस बी के बारे में कहना • सभी हितग्राही द्वारा पोषण आहार नियमित ले जाने का नियर्ण • पोषण एंव स्वाथ्स्य दिवस पर वार्ड पंच नियमित अपनी उपस्थिति देगी ।
9.	कसई लखनादौन	• केन्द्र मे बच्चो की उपस्थिती बढान`हेतु पंचो के प्रयास पर चर्चा	• ग्राम पंच के द्वारा अपने वार्ड के सभी बच्चों को आंगनवाडी केन्द्र की सेवा दिलाने का निर्णय • पंचो ने अपने अपने वार्ड से बच्चो को केन्द्र

		• आदर्श व्यवहारों के पालन पर चर्चा • केन्द्र की गतिविधियो की समीक्षा करने हेतु पंचायत को केन्द्र से जोडने हेतु प्रयास ं • महिला पंचो मे अलावा पुरुष पंचो को केन्द्र से जोडने का प्रयास	भेजने का नियर्ण लिया । • प्रथम द्वितिय ग्रेड के पालको ने पौष्टिक सत्तू बनाने का नियर्ण लिया
10.	पथरिया लखनादौन	• सुपोषण स्तर 50% से कम होने की चर्चा। • पंचायत के द्वारा निगरानी पर चर्चा • ए,एच,डी, एंव मंगल दिवस मे पंचायत की भागी दारी बढाने पर चर्चा् • विधि प्रदर्शन कर उपरी आहार पर चर्चा	• सुपोषण स्तर के सुधार हेतु पौष्टिक सत्तू बनाने का नियर्ण • पंचायत की भागीदारी का निर्णय • उपरी आहार मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता के आधार पर देने का निर्णय
11.	मुण्डा लखनादौन	• 2 बच्चे केन्द्र की सेवाओ से वंचित • केन्द्र मे बच्चो की उपस्थिती बढान ेहेतु पंचो के प्रयास पर चर्चा • आदर्श व्यवहारों के पालन पर चर्चा • केन्द्र की गतिविधियो की समीक्षा करने हेतु पंचायत को केन्द्र से जोडने हेतु प्रयास	• पंचायत की भागीदारी का निर्णय • पंचो ने अपने अपने वार्ड से बच्चो को केन्द्र भेजने का नियर्ण लिया । • व्यवहारों के पालन का निर्णय
12.	हर्रई लखनादौन	• उपस्थिती पर कार्यकर्ता द्वारा ध्यान न देना। • मातृ सहयोगिनी का सहयोग न होना। • टीकाकरण दिवस में एमपीडब्ल्यू को सहयोग न करना। • व्यवहारों का पालन। • पोषण आहार और उपरी आहार पर चर्चा • विधी प्रदर्शन कर कार्यकर्ता द्वारा समझाईश न देना।	• वार्ड पंच के माध्यम से अनियमितता मिलने पर शिकायत मिलने पर कार्यवाही करने की बात की गई। • गृहभेंट के दौरान विधीप्रदर्शन कर समझाईश देने की बात की गई। • उपस्थिती बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

प्रभाव

- सरंडिया में आंगनवाडी की गतिविधियों में पंचायत की उपस्थिति बढ़ी है।
- बैरढ़ाना में व्यवहारों का पालन हो रहा है।
- ताखला में एनएचडी एवं टीकाकरण नियमित होने लगा।
- सेमरताल में आंगनवाडी केन्द्र समय में खोला जा रहा है।
- सेमरताल और सांगई में पंचायत के द्वारा निगरानी की जा रही है।
- सेजवाडा में सॉल्टर मशीन दी गई है।
- निधानी लालपुर सांगई में पंचायत के द्वारा उपस्थिति दी जा रही है।
- मसुर भांवरी, बिलक्टा सरंडिया महुआटोला में पंचायत के द्वारा निगरानी की जा रही है।
- कुपोषण पर कमी आई है भेंडकी दल्लेटोला बढपानी खमरिया।
- बडपानी में पंचों की उपस्थिति पाई गई है।
- तेंदनीटोला के हितग्राही जोकि सेवाओं से वंचित थे उन्हें सेवाये प्राप्त हो रही हैं।
- महुआटोला सेक्टर भीमगढ़ में शीघ्र पंजीयन करने लगे, सभी बच्चे आंगनवाड़ी के सेवा प्राप्त कर रहे हैं।
- डांगावानी में जायफल घुटटी नही दी जा रही है।

एडवोकेसी कोऑर्डिनेटर द्वारा संपादित गतिविधियॉ

जुलाई 08 से सितम्बर 08 के दौरान एडवोकेसी कॉओडिनेटर के द्वारा जिला स्तर, विकासखंड स्तर और सेक्टर बैठकों में भाग लिया गया। मुख्यतः स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास के साथ चर्चाएं कि जिसमें एजेण्डानुसार विभागीय बैठक सम्पन्न करने की बात की गई। और फील्ड से निकले अनुभवों को दोनों विभागों के बीच रखकर उनपर निर्णय और सुधार की बात की गई। इसी के साथ विकासखंड स्तर पर परियोजना समापन बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान की गई मुख्य चर्चाऍ अग्रलिखित हैं :

सेक्टर बैठक

क्र	ग्राम विकासखंड	पैरवी के बिन्दु व चर्चा	परिलक्षित सकारात्मक प्रभाव
1.	अरी बरघाट	• संयुक्त बैठक एजेण्डानुसार व प्रपत्र का प्रयोग • सेक्टर बैठक में आशा व मातृसहयोगिनी समिति की उपस्थिति • अन्नप्राशन के दिन कार्यकर्ता के द्वारा विधि प्रदर्शन • ग्राम स्वास्थ्य समिति की भूमिका पर चर्चा। • ग्रेडिग के आधार पर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी • सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा • सेक्टर बैठक में आंग.कार्य. रिकार्ड लावे और एएनएम व पर्यवेक्षक से जांच व मिलान करें। • केन्द्रों में उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के प्रयास पर चर्चा	• हेल्थ के द्वारा कहा गया कि गंभीर कुपोशित व प्रथम व द्वितीय के बच्चों की विशेश निगरानी की जावेगी। • निर्णय लिया गया कि प्रतिमाह सयुक्त बैठक में दोनो विभाग की उपस्थिती व आशा कार्यकर्त की उपस्थिती सुनिश्चित की जावेगी। • टीकाकरण सभी केन्द्रों निर्धारित दिवस में हुआ। और जहां पर स्वास्थ्य विभाग की हडताल थी वहां अतिरिक्त दिन सेवा प्रदान की गई।
2.	बोरीकला बरघाट	• संयुक्त बैठक एजेण्डानुसार व प्रपत्र का प्रयोग • सेक्टर बैठक में आशा व मातृसहयोगिनी समिति की उपस्थिति • सिंगपुर, सिलुआ, मानेगांव केसला केन्द्र का बन्द मिलना। • ग्रेडिग के आधार पर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी • सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा • केन्द्रों में उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के प्रयास पर चर्चा	• बंद मिले केन्द्रों के लिये स्पश्टीकरण पत्र जारी किया गया। • बीएमओ के द्वारा निर्णय लिया गया कि चिन्हित कुपोशित बच्चों के यहॉं सयुक्त गृहभेंट दी जाये। • पोश्टिक सत्तू बनाने का निर्णय व कमजोर बच्चों को देने का निर्णय लिया गया।
3.	आष्छा बरघाट	• संयुक्त बैठक एजेण्डानुसार व प्रपत्र का प्रयोग • अन्नप्राशन के दिन कार्यकर्ता के द्वारा	• ग्राम स्वास्थ्य समिति से बात कर केन्द्र में आवश्यक उपकरण की उपलब्धता की जावेगी।

		विधि प्रदर्शन • सेक्टर बैठक में आशा व मातृसहयोगिनी समिति की उपस्थिति • ग्राम स्वास्थ्य समिति की भूमिका पर चर्चा। • ग्रेडिग के आधार पर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी	• संयुक्त भ्रमण किया जा रहा है। • केन्द्रों के रिकार्ड की समीक्षा सेक्टर बैठक में की जा रही है।
4.	ढुठेरा केवलारी	• अन्नप्राशन के दिन कार्यकर्ता के द्वारा विधि प्रदर्शन • ग्राम स्वास्थ्य समिति की भूमिका पर चर्चा। • ग्रेडिग के आधार पर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी • सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा • सेक्टर बैठक में आंग.कार्य. रिकार्ड लावे और एएनएम व पर्यवेक्षक से जांच व मिलान करें।	• कालीमाटी में अतिरिक्त दिन में टीकाकरण सम्पन्न किया गया। • मंगल दिवस में मातृसहयोगिनी व आशा की उपस्थिति बढी है। • लोपा व झगरा के रिकार्ड में सुधार आया है किन्तु उपस्थिति कम है।
5.	पलारी केवलारी	• संयुक्त बैठक एजेण्डानुसार व प्रपत्र का प्रयोग • सेक्टर बैठक में आशा व मातृसहयोगिनी समिति की उपस्थिति • ग्रेडिग के आधार पर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी • सयुक्त गृहभेंट पर चर्चा • केन्द्रों में उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के प्रयास पर चर्चा	• पलारी की सेक्टर बैठक तृतीय शनिवार के स्थान पर तृतीय गुरूवार को करने का प्रस्ताव बीएलएसी में रखा गया जिसकी विभागीय स्वीकृति प्राप्त हुई। • सयुक्त भ्रमण हो रहा है। • गृहभेंट रिकार्ड अघतन हो रहा है।

विकासखंड स्तरीय बैठक के दौरान लिये गये निर्णय व परिलक्षित प्रभाव

क्र	विकासखंउ	पैरवी के बिन्दु व चर्चा	निर्णय	परिलक्षित सकारात्मक प्रभाव
1.	धनौरा	• बीएलएसी एजेण्डानुसार व दोनों विभागों की उपस्थिति शत प्रतिशत उपस्थिति • संयुक्त सेक्टर बैठक में प्रपत्र का उपयोग। और निर्धारित सत्र लिया जाना। • आशा व मातृसहयोगिनी की उपस्थिति और ग्राम स्वास्थ्य समिति को जोड़ने पर चर्चा • परिवार नियोजन के अस्थाई साधन पर चर्चा। • टीकाकरण रोस्टर अनुसार व एक दिन में एक ही स्थान पर। • ग्राम स्वास्थ्य समिति का खाता खोलना व राशि का उपयोग करना। • मंगलदिवस गुणवत्ता पूण व उसकी समीक्षा • एएनसी कुडारी व सुनवारा सेक्टर में न होना। • एएनएम आशा आंग.कार्य का एनएचडी एक दिन पूर्व भ्रमण। • दोनों विभाग के पर्यवेक्षकों की संयुक्त कार्ययोजना।	• बीएलएसी में शतप्रतिशत उपस्थिति होगी। • एजेण्डानुसार सेक्टर बैठकें सम्पन्न कराई जावेगी। • टीकाकरण एक दिन में एक ही स्थान पर। • ग्राम स्वास्थ्य समिति का खाता खोलकर उनकी राशि का आवश्यकता नुसार उपयोग। • परिवार नियोजन के साधनों को समुदाय तक पहूँच • मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाने का निर्णय। • सभी केन्द्रों में एएनसी की सुनिश्चितता। • केन्द्रों में ग्रेडिग कर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी।	• संयुक्त भ्रमण की कार्ययोजना बनी। • सयुक्त सेक्टर बैठक एजेण्डानुसार की जा रही हैं। • टीकाकरण एक ही स्थान पर एक दिन में किया जा रहा है। • स्वास्थ्य शिक्षा दी जा रही है। • परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। • स्वास्थ्य समिति की राशि का उपयोग किया जा रहा है। • मंगल दिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाये जा रहे हैं। • जहॉ एम पी डब्ल्यू हैं वहॉ एएनसी होने लगी है। • संयुक्त गृहभेंट होने से मांग पत्र की सुनिश्चितता हो रही है।
2.	कुरई	• स्वास्थ्य विभाग की हडताल होने से बीएलएसी नहीं हो पाई।	• इस बैठक को अन्य दिन लिया जाने का निर्णय लिया गया।	• सीडीपीओ और बीएमओ द्वारा ने सेवाओं की समीक्षा की गई। छूटे हुये केन्द्रों की कार्ययोजना बनी।
3.	घन्सौर	• पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों की समीक्षा की गई। • दोनों विभाग की संयुक्त भ्रमण कार्ययोजना	• एजेण्डानुसार सेक्टर बैठकें सम्पन्न कराई जावेगी।	• पिछली बैठक के निर्णय से सेवाओं मे सुधार आया है। • संयुक्त भ्रमण की

		पर्यवेक्षकों की बनाई जाये। • डोरली में टीकाकरण न होना। • मुस्कान शिविर में माने गांव पर्यवेक्षक का न पहूॅचना। • सेक्टर बैठक नियमित न होना शिकारा मानेगांव व्यवहारी और मेहता। • स्वास्थ्य शिक्षा पर सुनिश्चितता • परिवार नियोजन पर चर्चा • मंगलदिवस गुणवत्ता पूण व उसकी समीक्षा • एएनसी सभी सेक्टर में सुनिश्चित • एएनएम आशा आंग.कार्य का एनएचडी एक दिन पूर्व भ्रमण। • एनएचडी पर एएनएम की पूरे दिन उपस्थिति • आंगनवाड़ी केन्द्र की ग्रेडिग	• टीकाकरण एक दिन में एक ही स्थान पर। • परिवार नियोजन के साधनों को समुदाय तक पहूॅच • मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाने का निर्णय। • सभी केन्द्रों में एएनसी की सुनिश्चितता। • केन्द्रों में ग्रेडिग कर कमजोर केन्द्रों की विशेश निगरानी। • संयुक्त भ्रमण कार्ययोजना बनी • मांग पत्र का उपयोग सभी सेक्टरों पर	कार्ययोजना बनी। • सयुक्त सेक्टर बैठक एजेण्डानुसार की जा रही हैं। • टीकाकरण एक ही स्थान पर एक दिन में किया जा रहा है। • स्वास्थ्य शिक्षा दी जा रही है। • परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। • मंगल दिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाये जा रहे हैं। • संयुक्त गृहभेंट होने से मांग पत्र की सुनिश्चितता हो रही है।
4.	केवलारी	• बीएलएसी निर्धारित दिन पर हो रही है। • दोनो विभागों की उपस्थिति शतप्रतिशत होनी चाहिये। • संयुक्त भ्रमण कार्ययोजना पर चर्चा • आशा की व मातृसहयोगिनी की उपस्थति। • आंग.कार्य, आशा एएनएम की सयुक्त गृहभेंट • पलारी सेक्टर की मासिक बैठक तीसरे शनिवार की जगह तीसरे गुरूवार करने पर चर्चा।	• संयुक्त भ्रमण की कार्ययोजना स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाई गई। • सेक्टर बैठक में प्रपत्र के उपयोग का निर्णय • पलारी की बैठक तीसरे गुरूवार को सुनिश्चित • आशा की उपस्थिति का निर्णय	• सेक्टर बैठके एजेण्डानुसार होने लगी। • सयुक्त भ्रमण कार्ययोजना से मॉनिटरिग और सुपरवीजन से सेवाओं में सुधार आया है। • हितग्राहियों की समझ गतिविधियों के प्रति बनी है। • सयुक्त गृहभेट का का रिकार्ड अधतन किया जा रहा है। • केन्द्र मे बच्चों की उपस्थिति बढी है।

महिला बाल विकास और स्वास्थ्य के साथ समन्वय के बिन्दु

विकासखंड :– कुरई, बरघाट

क.	स्वास्थ्य विभाग	क.	महिला बाल विकास
1.	सभी केन्द्रों में निर्धारित दिवस मे टीकाकरण व स्वास्थ्य शिक्षा की सुनिश्चितता।	1.	आंग.कार्य. द्वारा प्रतिदिन गृहभेंट व अघतन।
2.	ग्रामस्वास्थ्य समिति को सशक्त किया जाये	2.	अन्नप्राषन के दिन विधि प्रदर्शन करना। व पोष्टिक सत्तू बनाने की विधि।
3.	डिपो होल्डर व उपलब्ध दवाईयों की सूची बोर्ड पर अंकित हों।	3.	पर्यवेक्षेकों द्वारा केन्द्रों का निरीक्षण व रिकार्ड व्यवस्थित होने की समीक्षा।
4	स्वास्थ्य पर्यवेक्षक द्वारा आंगनवाडी केन्द्रों का निरीक्षण व टीप	4.	सभी केन्द्रों की ग्रेडिग व कमजोर केन्द्रों की पहचान।
5	कुपोषित बच्चों की निगरानी व गर्भवतियों की जांच और परिवार नियोजन के साधनों का उपयोग पर चर्चा	5.	मंगलदिवस गुणवत्ता पूर्ण मनाना व समुदाय को जोड़ना।
6	कार्यकर्ताओं का गृहभेंट कर समझाईष।	6	ग्रेडिग व कमजोर केन्द्रों की पहचान
7	महि.बा.पर्यवेक्षक के साथ सयुक्त भ्रमण	7	मंगलदिवसों में मातृसहयोगिनी का सहयोग
8	पहॅचविहीन केन्द्रों पर सेवाओं की समीक्षा की जावे	8	अन्नप्राशन विधि और जीवन की आशा 1 और 2 का उपयोग
9	रोस्टर अनुसार टीकाकरण।	9	उपस्थिति बच्चों की बढ़ाने पर चर्चा
10	स्वास्थ्य शिक्षा एनएचडी के दिना	10	सेक्टर बैठक में भ्रमण व समीक्षा

परियोजना के समापन पर चर्चा करते हुये कहा गया कि यदि हमें अपने उद्देश्यों को प्राप्त करना है निरंतर निम्न बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है

- विकासखंड स्तरीय समन्वय बैठक समीक्षात्मक हो। जिसमें हम अपनी ताकत व कमजोरियों को पहचान सके और उसके अनुसार अपनी नीतियां तय करें।
- परियोजना के अंतर्गत उपयोग में आने वाले सभी प्रपत्रों को विस्तार से समझाया गया जैसे सेक्टर बैठक टूल, आंगनवाडी प्रपत्र, एनएचडी प्रपत्र, ग्रेडिग प्रपत्र
- आंगनवाडी स्तर पर होने वाले मंगलदिवसों को गुणवत्ता पूर्ण करने हेतु कहा गया। इस दौरान कहा गया कि यह एक ऐसा आयोजन है जिस दौरान हम समुदाय से सीधा जुडते हैं।
- टीकाकरण की बात करते हुये कहा गया कि यह आवश्यक है कि यह रोस्टर के अनुसार हो एक दिन में केवल एक ही जगह में समय दिया जाये इस दौरान स्वास्थ्य शिक्षा मुहैया कराई जाये क्योंकि स्वास्थ्य शिक्षा ही ऐसा जरिया है कि जिससे हम व्यवहारों में परिवर्तन ला सकते हैं।
- आंगनवाडी के संचालन पर बात करते हुये कहा गया कि ध्यान रखे कि आंगनवाडी के खुलने बंद होने का समय, पोशण आहार की उपलब्धता गुणवत्ता, हितग्राहियों तक पहॅूच, केन्द्र में बच्चों की उपस्थिती, ग्रहभेंट , संयुक्त गृहभेंट , स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता है केन्द्र में हो रही है या नहीं। यदि कहीं कमी हो तो विकासखंड स्तरीय बैठक में बात रखकर उस पर सुधार करने का प्रयास करें।

एडवोकेसी समन्यक के द्वारा वार्डसभाओं का आयोजन किया गया

क्र	वार्डसभा	चर्चा का बिन्दु	निर्णय
1.	चिचबंद	• मंगलदिवस में सम्मिलित होने पर चर्चा, कुपोशित बच्चों के घर सत्तू बनाने का सुझाव, टीकाकरण के दौरान शामिल होने पर चर्चा, आहार प्रदर्शन, वार्ड में कुपोशण की स्थिति और कुपोशण दूर करने के उपाय	• बच्चों को खाना आहार प्रदर्शन के अनुसार बताई गई विधि अनुसार व टीकाकरण में शामिल होने, सम्पूर्ण टीकाकरण करने का निर्णय
2.	.अरी	• आंगनवाड़ी में बनने वाले पोशण आहार पर चर्चा, टीकाकरण पर चर्चा, मंगलदिवस और बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा, आंगनवाड़ी द्वारा दी जाने वाली स्वास्थ्य सेंवाओं पर चर्चा	• बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र भेजने, स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने और मंगलदिवस में शामिल होने का निर्णय

माडल सेक्टर गोरखपुर

गोरखपुर सेक्टर के अंतर्गत 24 आंगनवाडी केन्द्र हैं। जिनका लगातार फालोअप करने के पश्चात रिकार्डो की स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया गया है। जिसके अंतर्गत सेक्टर बैठक और मुख्यतः संकुल बैठक जोकि सेक्टर के अंतर्गत 4 माह में आयोजित की जा रही हैं इस बैठक में समन्वयक के द्वारा रिकार्ड सुधार करने हेतु लगातार रिकार्डों का निरीक्षण किया गया।

इन प्रयासों के फलस्वरूप दस्तावेजों की स्थिति में जो परिवर्तन आया वह प्रतिशत में निम्नानुसार है।

क्रमाक	रिकार्ड क नाम	मई प्रतिशत	जून प्रतिशत	जुलाई प्रतिशत	अग. प्रतिशत	सितं. प्रतिशत
1.	टीकाकरण	30	39	50	92	96
2.	गृहभेंट	25	32	50	87.5	87.5
3.	वजन पंजी	30	42	45	87.5	92
4.	वृध्दि पंजी	22	35	46	87.5	92
5.	मातृ सहयोगिनी पंजी	50	75	83	75	75
6.	आईईसी	10	34	46	75	84
7.	सर्वे पंजी	30	48	55	83	92
8.	मंगलदिवस पंजी	50	65	79	92	96
9.	उपस्थिति पंजी	60	72	84	62.5	67

दस्तावेजों को लेकर अवलोकन करने पर यह अनुभव रहा कि दस्तावेजों की स्थिति में अब सुधार आया है और इन्हें अब समय सीमा के अंदर संधारण किये जा रहे हैं।

सेक्टर का पोषण स्तर

मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर
48	**58**	**63**	**59**	**58**

सेक्टर के पोषण स्तर को माह मई से सितम्बर के बीच देखा जाये तो स्थायित्व बना रहा एवं 10 प्रतिशत अंतर आया।

मॉडल सेक्टर के अंतर्गत प्रयासों और आहार प्रदर्शन के उपरांत सुपोषण की स्थिति

क	सेक्टर	केन्द्र	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितं.
1.	गोरखपुर	अटामा	52	42	66	79	89
2.		सिदरई	53	71	72	79	60
3.		भेंडकी	–	51	58	41	44
4.		चिखली	–	56	60	56	58
5.		गोरखपुर	–	64	59	58	49
6.		घुघसा	–	51	53	68	64
7.		रायगढ़	–	51	48	35	44
8.		मुआरी	–	51	50	33	36
9.		पीपरढ़ाना	–	66	67	62	63
10		सालीवाड़ा	–	–	79	30	31
11		तिलेपानी	–	–	68	74	75
12		खैरनारा	–	–	45	48	52
13		दिघोरी	–	–	59	57	59
14		बारी	–	–	51	51	62
15		मुर्गी टोला	–	–	–	53	68
16		बबैया	–	–	–	66	68
17		ढुटई	–	–	–	65	71
18		सुकरी	–	–	–	72	74
19		देवतमउ	–	–	–	–	55
20		बारी	–	–	–	–	51
21		माहुलपानी	–	–	–	–	89
22		दल्लेटोला	–	–	–	–	50
23		मंडवा	–	–	–	–	36
24		बीजादेवरी	–	–	–	–	77

मॉडल सेक्टर के अंतर्गत सम्पन्न वार्डसभाएँ

क्रमांक	वार्डसभा	चर्चा का बिन्दु	निर्णय
1.	पीपरढ़ाना	• गर्भावस्था की देखभाल, टीकाकरण का महत्व • मंगलदिवस के आयोजन के संबंध में • बच्चे के उपरी आहार पर चर्चा • कुपोशण के कारण व परिणाम व बचाव • मौसमी बीमारियों से बचाव के तरीके पर • आगामी समय में आयोजित बाल मेले की जानकारी	• घोबीटोले में एएनएम के द्वारा टीकाकरण करने के लिये दिन निश्चित कराने का निर्णय पंच द्वारा लिया गया। • बच्चे के खाने में तेल के उपयोग का निर्णय • 1 वर्श से अधिक के बच्चों को छोटी आयरन गोली खिलाने का निर्णय
2.	देवतमा	• शीघ्र पंजीयन पर चर्चा, टीकाकरण और आदर्श व्यवहारों पर चर्चा। • वार्ड में प्रथम ग्रेड के 3 और द्वितीय 2 बच्चे होना • पोि-टक सत्तु बनाने की विधि पर चर्चा • मंगल दिवस को लेकर चर्चा	• बच्चों को आंगनवाडी भेजने का निर्णय • टीकाकरण करवाने का निर्णय • पोि-टक सत्तू बनाने का निर्णय • कुपोशित बच्चों के यहॉ पंच द्वारा निगरानी करने का निर्णय लिया गया।
3.	बीजादेवरी	• आदर्श व्यवहार • बारम्बारता गुणवत्ता मात्रा • आयरन की गोली विटामिनए के महत्व पर चर्चा • सामुदायिक वृध्दि चार्ट की उपयोगिता पर • बालमेला के आयोजन • लाड़ली लक्ष्मी बाई येाजना के सबंध में	• व्यवहारों को अमल में लाने का निर्णय • आंगनवाडी में बच्चों को भेजने का निर्णय। • आगामी ग्रामसभा में पोशण स्वास्थ्य के मुद्दे को जुडवाने का निर्णय • 1 वर्श से अधिक के बच्चों को छोटी आयरन खिलाने का निर्णय
4.	सुकरी	• स्वास्थ्य समिति पर चर्चा • साल्टर मशीन पर चर्चा • वार्ड में प्रथम के 3 और द्वितीय के 2 बच्चे पाये जाना • आहार प्रदर्शन	• साल्टर मशीन पंचायत से मांगने का निर्णय • बच्चों को आंगनवाडी केन्द्र भेजने का निर्णय
5.	रायगढ़	• बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा • टीकाकरण नियमित न होने और स्वास्थ्य जांच न होने पर चर्चा • गर्भावस्था में देखभाल • सामुदायिक चार्ट की उपयोगिता • उपरी आहार पर चर्चा	• केन्द्र में बच्चों को भेजने का निर्णय • नियमित रूप से वजन कराने का निर्णय • एएनएम से स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु बात करने का निर्णय
6.	झालीवाड़ा	• वार्ड प्रथम और द्वितीय ग्रेड के बच्चो होना, पोष्टिक सत्तू। • बच्चों को आंगनवाडी भेजने के संबंध में। • कुपोषण के कारण पर चर्चा	• पोष्टिक सत्तू बनाने का निर्णय • केन्द्र में बच्चों को भेजने का निर्णय
7.	घोघरी	• बच्चों की उपस्थिति	• केन्द्र में बच्चों को भेजने का निर्णय

		• टीकाकरण नियमित न होने और स्वास्थ्य जांच न होने पर चर्चा • गर्भावस्था में देखभाल • आयरन की गोली के महत्व	• टीकाकरण में शामिल होने का निर्णय • सम्पूर्ण टीकाकरण करने का निर्णय
8.	दिघोरी	• स्वास्थ्य समिति के कार्य व जिम्मेदारी • बच्चों के खाने में मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता • सामुदायिक चार्ट कुपोशित बच्चों की पहचान	• बच्चों के खाने में तेल मिलाने का निर्णय • स्वास्थ्य समिति बनाने का निर्णय • बच्चों का नियमित वजन कराने का निर्णय
9.	बबैया	• बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा • कुपोशण के कारण प्रभाव पर चर्चा • पोशण आहार पर चर्चा	• केन्द्र में नियमित बच्चों के भेजने का निर्णय • नियमित वजन कराने का निर्णय
10.	खैरनारा	• मंगल दिवस के आयोजन • मीनू चार्ट अनुसार भोजन • शीघ्र पंजीयन न करवाना • मौसमी बीमारी से बचाव	• शीघ्र पंजीयन कराने का निर्णय • बच्चों से छः माह पश्चात खाना देने का निर्णय

बाल मेले का आयोजन

गोरखपुर सेक्टर में कुपोशण में 10 प्रतिशत की कमी लाने व स्वास्थ्य के प्रति समुदाय में जागरूकता लाने के उद्देश्य से पूर्व माह में नये नये अभिनव प्रयास किये गये। इसी श्रंखला में इस माह गोरखपुर सेक्टर में दो भागों में विशाल बालमेला का आयोजन किया गया। जिसमें 21जुलाई 2008 को गोरखपुर सेक्टर के बीजा देवरी आंगनवाडी केन्द्र एवं 23जुलाई 2008 को गोरखपुर विभागीय समन्वय से सफलता पूर्वक आयोजन कर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया गया। इस दौरान बाल मेले में स्वास्थ्य विभाग की ओर निशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया जिसमें विशेश रूप कुपोि-त बच्चों के लिये प्रोटीन पाउडर एवं अन्य दवाई का वितरण किया गया। इन दो बाल मेलों में 256 लोगों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान बच्चों का वजन लिया गया पोि-टक सत्तू का वितरण किया, जीवन की आशा 1 व 2 का प्रदर्शन कर परामर्श सेवा दी गई। और सामुदायिक वृध्दि चार्ट से बच्चों की वृध्दि निगरानी व कुपोशण पर समझा बनाई गई। वजन लेकर चिन्हित बच्चों को पुरू-कृत किया गया। व समुदाय से प्रश्नौत्तरी कर इनाम वितरण किया गया।

स्वास्थ्य संवाद रथ यात्रा

22/08/2008 को छपारा विकासखंड के ग्राम रायगढ़ में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रथ यात्रा का शुभारम्भ किया गया , इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी छपारा परियोजना अधिकारी छपारा जिला केयर अधिकारी सुश्री मीनु भार्गव द्वारा स्वास्थ्य संवाद के उददेश्य बताया गया , जिसमें कहा गया कि स्वास्थ्य संवाद यात्रा का मुख्य उददेश्य है कि स्वास्थ्य के प्रति लोगो की जागरूकता बढाना जिससे कुपोषण को कम किया जा सके ।

इसके साथ ग्राम में स्कूली बच्चो के साथ रैली निकाल कर नारे के माध्यम से लोगो तक स्वास्थ्य व्यवहारो को पहुचाने की पहल किया गया । इसी के साथ ही रथ यात्रा के दौरान कुपोशण से जुडें प्रत्येक विशय पर समुदाय की समझ विकसित की गई। कुछ ग्रामों में रात्रिकालीन वार्डसभा का आयोजन किया गया। इस तरह सेक्टर के अंतर्गत आने वाली 24 आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण करते हुये मंडवा में रथ यात्रा का समापन 05/09/2008 को किया गया।

स्तनपान सप्ताह का आयोजन

- घुघसा और लाटगांव में स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया।
- सर्वप्रथम रैली का आयोजन ग्रामीण व स्कूल के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया।
- नारों उद्घोश किया गया।
- एलएचव्ही और सुपरवाईजर के द्वारा स्तनपान पर सत्र।
- इस दौरान 125 समुदाय के लोग उपस्थित हुये।
- प्रश्नौत्तरी एवं सामूहिक स्तनपान कराया गया।
- कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा स्तनपान के तरीके पर सत्र लिया गया।

टीकाकरण की स्थति मॉडल सेक्टर में प्रतिशत में

क्र	माह	निश्चित दिन टीकाकरण	अनिश्चित दिन टीकाकरण	स्वास्थ्य एवं पोशण शिक्षा	स्वास्थ्य जॉच
1	अप्रैल	55	30	37.5	42
2	मई	55	37.5	46	67
3	जून	62.5	25	50	59
4	जुलाई	46	17	50	46
5	अगस्त	55	30	50	46
6	सितम्बर	62.5	29	62.5	75

पोषण और स्वास्थ्य पर सामुदायिक हस्तक्षेप

गोरखपुर सेक्टर के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में संस्था कार्यकर्ता के निरंतर स्वास्थ्य एवं पोशण के मुद्दे पर विभाग एवं समुदाय स्तर की संस्थाओं के साथ वार्तालाप एवं यथास्थिति से अवगत कराया गया। छ माहों के दौरान समुदाय में स्वास्थ्य एवं पोशण विशय पर गम्भीरता देखी गई जिसमें लोगों ने विशेश कर टीकाकरण को विशेश निगरानी में लिया। और वे गांवों में जहॉ टीकाकरण नियमित नहीं था और ए.एन.एम का पूर्ण समय नहीं दिया जा रहा था और सम्पूर्ण टीकाकरण न करने की शिकायतें रहीं वहॉ समुदाय ने अपनी और से पहल की और विभाग तक इस मुददे को पत्रों के माध्यम से प्रेषित किया। इन शिकायतों पर विकासखंड स्तरीय बैठकों में चर्चाएँ व निर्णय लिये गये। जिसके फलस्वरूप प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। समुदाय के सशक्तिकरण की झलकियॉ और भी छोटे छोटे रूपों में दिखाई देती है जैसें बच्चे के खाने में तेल मिलाकर ही देना, गर्भवतियों को प्रसव योजना बनाने और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिये दबाब देना, कुपोशण को लेकर गम्भीरता दिखाना।

सेक्टर स्तर पर 10 प्रतिशत की कमी कुपोशण में आने का एक महत्वपूर्ण श्रेय समुदाय को भी जाता है जिन्होंने व्यवहारों को अपनाया और गर्भ ठहरने से लेकर बच्चे के 2 वर्श तक के समय के बीच ध्यान रखने की बातों को अमल में लाया।

गोरखपुर सेक्टर समन्वयक दारासिंग रहंगडाले के द्वारा पॉच माह की अवधि में कुपोशण से जुड़े प्रत्येक विशय को समुदाय के बीच और विभाग के बीच रखा गया। जमीनीस्तरीय कार्यकर्ताओं के बीच संकुल का निर्माण और बैठकें सुनिश्चित कराना, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनाज से सत्तू निर्माण, आहार प्रदर्शन, गृहभेंट कर परामर्श सेवायें, समुदाय से जुड़ाव के लिये उनके समय को ध्यान में रखते हुये रात्रिकालीन समय में सभाओ का आयोजन मनोरंजनीय तरीकों में विशय को शामिल कर सामने रखना, लक्ष्य प्राप्ति के लिये अनोखे और कारगर रास्ते रहें। इसी के साथ ही साथ संकल्प दीप, बाल मेला, स्तनपान सप्ताह और स्वास्थ्य संवाद रथ यात्रा का आयोजन किया गया। जिनके परिणाम आज हमारे सामने हैं।

एन.एच.डी. अवलोकन

- ✓ देवगांव करेली में पंचायत सदस्य उपस्थित नहीं थे।
- ✓ देवगांव में सभी टीका उपलब्ध थे साथ ही जांच भी हुई।
- ✓ करेली एएनएम के पास एमसीएच रजिस्टर नहीं था।
- ✓ करेली में बी.पी.जांच नहीं हुई।
- ✓ टीका सही जगह पर लगया गया।
- ✓ एएनएम द्वारा निधानी सांगई में टीटी वेक्सीन न ले जाना। पोषण स्वास्थ्य शिक्षा पर चर्चा । गर्भवती की जांच न होना।
- ✓ अरंडिया टी.टी नहीं लगाया गया। जांच नही।
- ✓ सिरमगनी गंगईटोला में टी टी उपलब्ध न होना। एएनएत के द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा देना।
- ✓ गंगईटोला में मातृसहयोगिनी समिति का सहयोग न होना।
- ✓ चुरका और सकवाह में निश्चित दिन पर टीकाकरण न होना।
- ✓ घोघरी में टीकाकरण निश्चित दिन पर हुआ हेपेटाईटिस बी नहीं पहूँचा।
- ✓ जोगीवाड़ा में बीसीजी के 4 बच्चे को बीसीजी नहीं लगा।
- ✓ जोगीवाड़ा में हितग्राहियों को टीकाकरण के दौरान पोशण आहार नहीं मिला।
- ✓ घोघरी में पंचायत के लोग नहीं उपस्थित हुये।
- ✓ सरंडिया में एमपीडब्ल्यू द्वारा टीकाकरण किया गया एएनएम के न पहूँचने से जांच नहीं हुई और पंचायत के लोग नहीं थे।
- ✓ भीमगढ मे अलग दिन टीकाकरण हुआ प्रथम मंगलवार को ए,एन,एम, नही पहुची ।
- ✓ विलक्टा मे जॉच नही हुई ।
- ✓ गौराबीबी मे पंचायत मातृ सहयोगनी समीति एंव आशा का जुडाव अच्छा है।
- ✓ पथरीया मे निशिचत दिन एंव नियमित टीकाकरण होना साथ ही ए.एन.सी चैक अप एंव स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन होना ।

व्यवहारों के बिन्दु

- ○ कार्ड सभी हितग्रहियों के पास है।
- ○ 0 से 1 माह के दौरान चर्चा नहीं की गई है।
- ○ कार्यकर्ता के द्वारा गृहभेंट बढ़ी नहीं है, परामर्श के दौरान व्यवहारों पर बात नहीं की जा रही है।
- ○ सिर्फ स्तनपान बढ़ा है।
- ○ एएनएम की गृहभेंट कम हैं।
- ○ प्रसव योजना बन रही है।
- ○ आंगनवाड़ी की गृहभेंट में वृध्दि हुई है।
- ○ ए.एन.एम गृहभेंट में सुधार की आवश्यकता है।
- ○ तुरंत स्तनपान और सम्पूर्ण स्तनपान में सुधार हुआ है।
- ○ उपरी आहार मात्रा गुणवत्ता और बारम्बारता में कमी आई है।
- ○ कार्यकर्ता के द्वारा गृहभेंट तो की गई है पर महत्वपूर्ण चर्चा नहीं हो पाई है।

विकासखंड छपारा के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों की ग्रेडिग के आधार पर सामान्य ग्रेड की स्थिति

कमांक	सेक्टर का नाम	जून 08 सामान्य ग्रेड का प्रतिशत	जुलाई 08 सामान्य ग्रेड का प्रतिशत
1.	छपारा अ	66	65
2.	छपारा ब	70.65	70
3.	देवरीकला	49.56	52
4.	चमारी	62	62
5.	भीमगढ़	62	52.83
6.	गोरखपुर	46.68	58
ब्लाक का स्तर		**59.48**	**59.97**

विकासखंड लखनादौन आहार प्रदर्शन के उपरांत आया हुआ अंतर

क.	केन्द्र का नाम	प्रतिशत में										
		मार्च	अन्तर	अप्रैल	अन्तर	मई	अंतर	जून	अन्तर	जुलाई	अन्तर	अगस्त
1	प्रेमपुर	39	03	42	06	48	01	49	06	55	04	59
2	झामरमाल			28	07	35	03	38	07	45	06	51
3	करकवाड़ा			55	05	60	04	64	01	65	03	68
4	छिरारू					50	06	56	04	60	04	64
5	सालीवाड़ा					54	03	57	02	59	02	61
6	बरबटी							34	04	38	07	45
7	गुदर्रा							50	03	53	04	57
8	घारपाठा							30	06	36	10	36
9	लालपुर									55	05	60

विकासखंड छपारा में पूर्व में किये गये आहार प्रर्दशन के बाद केन्द्रों में आये हुये परिवर्तन

कमांक	सेक्टर	केन्द्र	शिविर का आयोजन		वर्तमान में प्रतिशत जुलाई
			माह	सामान्य ग्रेड का प्रतिषत	
1.	देवरीकला	पोंड़ी	अक्तूबर 07	60	64
2.	देवरीकला	देवरीकला 1	नवम्बर 07	25	48
3.	देवरीकला	देवरीकला 2	नवम्बर 07	15	60
4.	गोरखपुर	बीजादेवरी	दिसंबर 07	34	79
5.	गोरखपुर	तीलेपानी	जनवरी 08	40	68
6.	गोरखपुर	सालीवाड़ा	फरवरी 08	30	40
7.	भीमगढ़	मोहली	फरवरी 08	46	89
8.	छपारा अ	दरबई	मार्च 08	16	40
9.	छपारा ब	बैरढ़ाना	अप्रैल 08	60	62
10.	चमारी	जामुनपानी	अप्रैल 08	44	67
11.	छपारा अ	लकवाह	अप्रैल 08	47	49
12.	छपारा ब	सिवनी	जून 08	55	55
13.	चमारी	नादियाकला	जून 08	59	61
14.	चमारी	भोरगढ़	जून 08	40	44

15.	भीमगढ	कोडियामाल	जुलाई 08	51	.....
16.	देवरीकला	पहाड़ी	जुलाई 08	40	.....
17.	चमारी	इमलीपठार	जुलाई 08	44	.....
18.	सिहोरा	प्रेमपुर भालीवाड़ा	मार्च 08	39	55
19	धनककड़ी	झामरमाल	अप्रैल 08	28	45
20.	बंजारी	छिरारू	मई 08	50	60
21.	गनेशगंज	सालीवाड़ा	मई 08	54	59
22.	धूमा	बरबटी	जून 08	34	38
23.	गनेशगंज	गदर्रा	जून 08	50	53
24.	धूमा	घारपाठा	जून 08	30	36
25.	बाबली	लालपुर	जुलाई 08	55	55
26.	बाबली	करकवाड़ा	अप्रैल 08	55	65
27.	मडई	पिठैरा	नवम्बर 07	47	49
28.	आदेगांव	पिपरिया	दिसम्बर 07	66	71
29.	मढ़ी	पलारी	जनवरी 08	46	51
30.	बीबी	करपडोल	माार्च 08	39	48
31.	मढ़ी	खखरिया	मई 08	36	37
32.	बीबी	खमरियाकाछी	मई 08	37	39
33.	मड़ई	बगलई	मई 08	48	60
34.	आदेगांव	हमीरगढ़	जून 08	46	48
35.	सिरमंगनी	सिहोरा रैयत	जून 08	52	52
36.	सनाईडोगरी	पाठादेवरी	जून 08	36	39
37.	परासिया	खूंट खमरिया	जुलाई 08	43	.....

विकासखंड मजबूतियॉ और कमियॉ

मासिक बैठकों के दौरान समन्वयकों के द्वारा विकासखंड की ताकतें और कमियां पर चर्चाऍं की गई जोकि निम्नानुसार हैं

लखनादौन

- संयुक्त सेक्टर बैठक नियमित होंगी।
- सेक्टर बैठक गुणवत्ता पूर्ण हो रहीं है।
- व्यवहारों में सुधार आया है।
- आशा मातृसहयोगिनी का जुडाव हो रहा है।
- सुपरवाईजर के द्वारा भ्रमण कर गंभीर मुद्दों को सेक्टर बैठक में शामिल किया जायेगा।
- बी.एल.ए.सी में सी.डी.पी.ओ और बी.एम.ओ. साथ नहीं बैठेंगे।
- निर्णय तर्कसंगत और प्रभावी नहीं होगें।

छपारा

- पंचायत का जुडाव बढ़ा है।
- टीकाकरण नियमित हो रहा है।
- कार्यकर्ता प्रतिशत निकाल रही हैं।
- लेप्टआउट और डापआउट क्षेत्र नहीं है।
- सुपरवाईजर भ्रमण बराबर नहीं हो पा रहे हैं।

धनौरा

- दोनों विभाग की बैठक हो रही है।
- सेक्टर बैठक में समीक्षाऍं हो रही हैं।
- कुड़ारी सेक्टर में हेल्थ की सेवायें प्रभावित हैं।
- सुनवारा सेक्टर के हितग्राहियों को व्यवहारों का ज्ञान नहीं है।
- विभागीय सहयोग अच्छा है।

घंसौर

- मानेगांव केदारपुर व्यवहारी मेहता में दोनों विभागों की उपस्थिति नहीं है।
- सेवाओं की समीक्षा नहीं हो रही है।
- विकासखंड स्तरीय बैठक दौरान गुणवत्तापूर्ण समीक्षा नहीं हो रही है।

बरघाट

- बी.पी.सी.सी. का अच्छा प्रचार हो रहा है।
- स्वास्थ्य विभाग मजबूती से कार्य कर रहा है।
- आईसीडीएस गंभीरता से कार्य नहीं कर रहा है।
- विभाग के बीच सामजस्य नहीं है।

कुरई

- सुपरवाईजर की समझ अच्छी है।
- बी.ई.ई. बीएमओ के द्वारा निरंतर कार्य को प्रभावी बनाया जा रहा है। जैसे रोस्टर में परिवर्तन। जिससे सेंवाये समुचित मिल सके।
- टीकाकरण 100 प्रतिशत करने का प्रयास किया जा रहा है।

सिवनी

- स्वास्थ्य विभाग अपनी सेवाओं की सुनिश्चितता बनाने का प्रयास पूरे क्षेत्र में कर रहा है।
- आईसीडीएस कमजोर है सुपरवाईजर भ्रमण नहीं कर रहे है।

केवलारी

- सुपरवाईजर द्वारा सेक्टर की निगरानी की जा रही है।
- स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सेवाओं की पहुॅच प्रत्येक हितग्राही तक करने का प्रयास किया जा रहा है।

सफल कहानी

पंचायत की पहल से आया ग्रेड में सुधार

एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना तृतीय जो कि सी.डी.सी संस्था के सहयोग से छपारा विकासखंड में निरंतर कुपोषण एवं शिशु मृत्यु कम करने के लिये प्रयासरत् है । पंचायत एवं समुदाय के जुड़ाव सेवाओं हेतु सुनिश्चित हो। इस हेतु ग्रामसभा को संवदनशील बनाया जा रहा है।

इसी विषय पर नवम्बर 2007 में ग्राम मसूरभांवरी सेक्टर भीमगढ़ में विशेष ग्रामसभा का आयोजन पोषण एवं स्वास्थ्य के मुद्दे पर रखी गई। जिसमें चर्चा के दौरान निकलकर आया कि दो जुड़वा बच्चा ब्रजेश व संतोष जिनकी जन्म तिथी 1.06.05 थी। और आयु 2 वर्ष 5 माह थी। जो तृतीय ग्रेड में थे।

पंच एवं सचिव श्री परते जी को उक्त बच्चों की दशा देखकर उनको सामान्य ग्रेड में लाने हेतु प्रयास की बात कही गई।तथा सचिव द्वारा उक्त दोनों बच्चों को पोष्टिक सत्तू प्रदान किया गया। साथ ही आंगनवाड़ी से निरंतर छोटी आयरन एवं मंबेन्डाझोल दी गई। साथ ही निरन्तर आंगनवाड़ी से पोषण आहार दिया जाने लगा।

परिणाम स्वरूप ब्रजेश एवं संतोष वर्तमान में द्वितीय ग्रेड में उनका निरंतर वजन बढ़ रहा है। इस तरह पंचायत के प्रयास से विशेष कुपोषित बच्चों के ग्रेड में सुधार आया।

बी.एल.ए.सी के प्रभाव से प्रथम बार ग्राम में पहॅूची एएनएम

ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण से बच्चों एवं महिलाओं का लाभ दिखाने हेतु मैदानी कार्यकर्ता की नियुक्ति की गई है। ताकि महिलाओं की स्वास्थ्य जांच हो उन्हें सभी सुविधाएॅ मिले ताकि उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे एवं सुरक्षित प्रसव हो सके।

दिनांक 16.6.08 सेक्टर छपारा के अंतर्गत ग्राम नाकाटोला में सुपरवाईजर भाविका वासनिक के साथ ब्लाक समन्वयक का भ्रमण हुआ केन्द्र नवम्बर 2007 में खुला था।

भ्रमण के दौरान पता चला कि ग्राम में टीकाकरण एएनएम के न आने से गर्भवती महिलाओं की जांच नहीं हो रही है। एवं अभी तक गांव के लोगों ने बताया कि एएनएम गांव पर नहीं पहॅूची है। एवं कार्यकर्ता ने बताया जब से केन्द्र खुला है तब से अभी तक ए.एन.एम नहीं आई तत्पश्चात यह मुद्दा 23.06.2008 को ब्लाक स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में रखा गया जहॉ एएनएम से जानकारी ली गई तो एएनएम जवाब में कुछ भी नहीं बोल पा रही थी बीएमओ श्री बेनर्जी जी एवं बीईई द्वारा एएनएम को टीकाकरण दिन मे जाने तथा स्वास्थ्य जांच के निर्देश दिये गये।
तत्पश्चात एएनएम द्वारा 24.06.08 को उक्त ग्राम में पहॅूचकर गर्भ महिलाओं की जांच की गई एवं अब ग्राम में निरन्तर पहॅूच रही है।

इस बीएलएसी में निर्णय से गर्भवती महिलाओं की जांच हुई।

Community Development Centre
Gupta Ki Chaal, Bhatera Chouky
Balaghat M.P. 481 001
Phone : 07632 248585
Cell : 09425822228
Email : cdcbgt@gmail.com
Website : www.cdcmp.org